VOL- VII | ISSUE- V | MAY | 2020 | PEER REVIEW e-JOURNAL | IMPACT FACTOR 6.293 | ISSN 2349-638x

बिलासपुर जिले के पू.मा.शालाओं के छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य का उनके समायोजन पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन

डॉ.संजीत कुमार तिवारी
प्राध्यापक शिक्षा
शोध निर्देशक
स्कूल आफ एजुकेशन मैट्स
विश्वविद्यालय रायपुर

राजकुमार सिंह
पी.एच.डी. शोधार्थी
स्कूल आफ एजुकेशन मैट्स
विश्वविद्यालय रायपुर

सारांश

शिक्षा जीवनपर्यन्त चलने वाली प्रक्रिया है जो व्यक्ति को पशुत्व से देवत्व की ओर ले जाती है पशुत्व में संकीर्णता तथा देवत्व में विशदता निहित होती है। शिक्षा व्यक्ति को वास्तविक शक्ति से सम्पन्न करती है। मानसिक स्वास्थ्य एवं समायोजन पर पड़ने वाले प्रभाव का एक दूसरे से घनिष्ठ संबंध है।प्रस्तुत अध्ययन में बिलासपुर जिले के पू.मा.शालाओं के छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य का उनके समायोजन पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन किया गया है। जिसमें बिलासपुर जिले के पू. मा. शाला कक्षा छठवीं एवं सातवीं के २०० छात्रों का चयन न्यादर्श के रूप में किया गया है। मापन हेतु मानकीकृत एवं मानवीकृत मापनी का उपयोग किया गया है। अध्ययन से प्राप्त परिणाम से ज्ञात होता है कि यदि छात्रों का मानसिक स्वास्थ्य अच्छा होगा तो उनकी समायोजन क्षमता भी अच्छी होगी।

Keywords - जीवनपर्यन्त, मानसिक स्वास्थ्य,, मानकीकृत समायोजन क्षमता

प्रस्तावना -

कोई भी शैक्षिक शोध इसलिए किया जाता है कि शिक्षा के क्षेत्रो में उत्पन्न होने वाली विभिन्न समस्याओ को पहचान कर उसका निदान किया जा सके और समस्याओ का समाधान खोजने का प्रयास किया जा सके। ऐसे शोध तभी सार्थक हो सकते हैं जब उसका कोई शैक्षिक महत्व हो तथा इसका लाभ छात्रों को प्राप्त हो सके। समायोजन क्षमता उनके मानसिक स्वास्थ्य से घनिष्ठ रूप से संबंधित है। इसी संबंध को ज्ञात करने के लिए प्रस्तुत शोध कार्य किया गया है।

अध्ययन का औचित्य-

प्रस्तुत अध्ययन का उद्धेश्य मानव व समाज के विकास के लिए शिक्षा के स्तर को उपर उठाना हैं। इस शोध द्वारा छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य का उनके समायोजन क्षमता पर पड़ने वाले प्रभाव का ज्ञान होता है अतः प्रस्तुत शोध शैक्षिक दृष्टि से अत्यंत उपयोगी है जिसका लाभ छात्रों को होगा और शिक्षा व्यवस्था में भी सुधार हो सकता है।

अध्ययन के उद्देश्य- प्रस्तुत शोध के निम्नलिखित उद्धेश्य है

१.बिलासपुर जिले के पू.मा.शालाओं के उच्च व निम्न मानसिक स्वास्थ्य वाले छात्रों के समायोजन पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन करना।

२.बिलासपुर जिले के पू.मा.शालाओं के छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य एवं समायोजन पर पड़ने वाले प्रभाव में सहसंबंध का अध्ययन करना।

परिकल्पनायें -

HO1- बिलासपुर जिले के पू.मा.शालाओं के उच्च व निम्न मानसिक स्वास्थ्य वाले छात्रों के समायोजन पर पड़ने वाले प्रभाव में सार्थक अंतर नही होगा।

HO2- बिलासपुर जिले के पू.मा.शालाओं के छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य एवं समायोजन पर पड़ने वाले प्रभाव में सहसंबंध नही होगा।

समस्या की परिसीमन- प्रस्तुत अध्ययन के लिये बिलासपुर जिले के पू.मा.शालाओं के छात्रों को लिया गया है।

शोध विधि - शोधकर्ता ने अपने शोधकार्य में सर्वेक्षण विधि का उपयोग किया है।

न्यादर्श – छ.ग.के बिलासपुर जिले में स्थित पू.मा.शालाओं के २०० छात्रों का चयन यादृच्छिक न्यादर्श विधि द्वारा किया गया है।

उपकरण – प्रस्तुत अध्ययन में निम्नलिखित मापनी' का प्रयोग किया गया।

१. मानसिक स्वास्थ्य मापनी'-डॉ ए.के.सिंह एवं डॉ ए. सेन गुप्ता

२. मानवीकृत समायोजन मापनी'-इस मापनी में गृह समायोजन संबंधी १० पद,विद्यालय समायोजन संबंधी १० पद सहित कुल ३० पद सम्मिलित हैं, जिसके माध्यम से छात्रों के रूझान एकत्र किये गये।

प्रदत्त विश्लेषण एवं व्याख्या – मापनी से प्राप्त प्रदत्तों के मध्यमान,मानक विचलन, सहसंबंध गुणांक तथा क्रान्तिक अनुपात निकाला और सार्थकता की जांच टी-टेस्ट द्वारा की गई।

परिणाम-

H01- बिलासपुर जिले के पू.मा.शालाओं के उच्च व निम्न मानसिक स्वास्थ्य वाले छात्रों के समायोजन पर पड़ने वाले प्रभाव में सार्थक अंतर नही होगा।

तलिका संख्या १

मनसिक स्वास्थ्य	संख्या	माध्य	मानक विचलन	मानक त्रुटि	t	df	सार्थकता का स्तर	मान	परिणाम
उच्च	१००	९३.६	१७.५	२.२५	७.५	१९८	०.०५	१.९६	अंतर सार्थक
निम्न	१००	११०.५	१४.२				०.०१	२.५९	

उक्त तालिका संख्या १ मे उच्च व निम्न मानसिक स्वास्थ्य वाले छात्रों के समायोजन पर पड़ने वाले प्रभाव का मध्यमान क्रमंशः ९३.६ व ११०.५ है तथा प्रमाप विचलन क्रमशः१७.५ व १४.२ है अंतर की सार्थकता की जांच करने के लिए टी. परीक्षण किया जो कि ७.५ आया जो ०.०५ सार्थकता स्तर के मान १.९६ एवं ०.०१ सार्थकता स्तर के मान २.५९ से अधिक है अतः उच्च व निम्न मानसिक स्वास्थ्य वाले छात्रों के समायोजन पर पड़ने वाले प्रभाव मे सार्थक अंतर है अतः शून्य परिकल्पना अस्वीकृत की जाती है।

H02- बिलासपुर जिले के पू.मा.शालाओं के छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य एवं समायोजन पर पड़ने वाले प्रभाव में सहसंबंध नही होगा।

तलिका संख्या २

समूह	संख्या	माध्य	सहसंबंध गुणांक
मानसिक स्वास्थ्य	२००	५८.७	०.६१
समायोजन पर पड़ने वाले प्रभाव		६२.१	

उक्त तालिका संख्या २ मे पू.मा.शालाओं के छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य एवं समायोजन पर पड़ने वाले प्रभाव के मध्यमान क्रमंशः ५८.७ व ६२.१ .है तथा दोनो समूह का सहसंबंध गुणांक ०.६१ पाया गया अर्थात् दोनो समूह के बीच धनात्मक सहसंबंध पाया गया अतः शून्य परिकल्पना अस्वीकृत की जाती है।

निष्कर्ष एवं विवेचना-

१ उच्च व निम्न मानसिक स्वास्थ्य वाले छात्रों के समायोजन पर पड़ने वाले प्रभाव मे सार्थक अंतर है अर्थात् उच्च मानसिक स्वास्थ्य वाले छात्रों मे निम्न मानसिक स्वास्थ्य वाले छात्रों की अपेक्षा समायोजन क्षमता अधिक पाई गई।

२ पू.मा.शालाओं के छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य एवं समायोजन क्षमता के मध्य धनात्मक सहसंबंध पाया गया अर्थात् मानसिक स्वास्थ्य अच्छा होने पर समायोजन क्षमता भी अच्छी होगी ।

संदर्भ –

१. रूवाली, डॉ.केशव दत्त (१९८२) : हिन्दी भाषा और नागरी लिपि, ग्रन्थायन, सर्वोदय नगर, अलीग।
२. मोहन, सुरेन्द (१९८८) : आचार्य नरेन्द्रदेव और उनका पत्र, आचार्य नरेन्द्रदेव समाजवादी संस्थान, वाराणसी।.
३. रायबर्न, डब्ल्यू एन. (१८५५) : विद्यालय संगठन, दि अपर इंडिया पब्लिशिंग हाऊस लि. लखनऊ।
४. मालीवाल, कर्नल बी.एन. (१९९५) :सैन्य अध्ययन का इतिहास, रस्तोगी एण्ड कम्पनी सुभाष बाजार; मेरठ।
५. मंगल, डॉ० एस. के. (२००५) : गणित शिक्षण, आर्य बुक डिपो, नई दिल्ली।
६. रूहेला, सत्य प्रकाश (२००७) : भारतीय शिक्षा का समाजशास्त्र, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर।
७. यादव, एव सक्सैना (२००८) : शैक्षिक अनुसंधान की विधियॉ एवं शैक्षिक सांख्यिकी, साहित्य प्रकाशन, आगरा । वर्मा, जे. पी. (२००८) : शैक्षिक प्रबन्धन, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर।
८. यादव, डॉ. प्रतिभा (२००९) : उदीयमान भारतीय समाज मे शिक्षक, साहित्य प्रकाशन, आगरा।
९. रूहेला, डा. सत्यपाल (२००९) : मूल्यशिक्षा कब, क्यो, कैसे ? अग्रवाल पब्लिकेशन्स आगरा-२।
१०. लाल, रमन बिहारी (२०१०-२०११) : भारतीय शिक्षा का विकास एवं उसकी समस्याएँ, रस्तोगी पब्लिकेशन्स, मेरठ।

Aayushi International Interdisciplinary Research Journal
ISSN 2349-638X
www aiirjournal.com